भा.वा.अ.शि.प.- हिमालयन वन अनुसंधान संस्थान, शिमला

"महिलाओं का कार्यस्थल पर लैंगिक उत्पीड़न एवं इसके कानूनी परिणाम" विषय पर जागरूकता कार्यक्रम

भा.वा.अ.शि.प.- हि.व.अ.सं., शिमला द्वारा "महिलाओं का कार्यस्थल पर लैंगिक उत्पीड़न एवं इसके कानूनी परिणाम" विषय पर एक जागरूकता कार्यक्रम का आयोजन संस्थान के सभागार में 21 नवम्बर, 2025 को किया गया, जिसमें डॉ॰ सीमा कश्यप, एसोशिएट प्रोफेसर, यूनिवरसिटि इंस्टीट्यूट ऑफ लीगल स्टडीस, शिमला द्वारा व्याख्यान प्रस्तुत किया गया। इस कार्यक्रम में संस्थान के सभी अधिकारियों व कर्मचारियों ने भाग लिया ।

कार्यक्रम की शुरुआत में श्रीमती सविता कुमारी बन्याल, मुख्य तकनीकी अधिकारी एवं कार्यक्रम समन्वयक ने निदेशक महोदया, डॉ॰ मनीषा थपलियाल, भा.वा.अ.शि.प.- हि.व.अ.सं., शिमला; मुख्यातिथि, डॉ॰ सीमा कश्यप एवं समस्त संस्थान स्टाफ का स्वागत किया एवं बताया कि शिक्षा और रोज़गार के कारण दुनिया भर में महिलाओं की स्थिति में बहुत बड़ा बदलाव आया है, लाखों भारतीय महिलाएं अब लगभग हर तरह के कार्यक्षेत्र में अपनी भागीदारी सुनिश्चित कर रही हैं । परंतु कई कामकाजी महिलाओं को कार्यस्थल पर यौन उत्पीड़न का सामना करना पड़ता है । अत: इसी विषय पर आज के जागरूकता कार्यक्रम का आयोजन किया गया है ताकि संस्थान का समस्त स्टाफ इस विषय पर जागरूक हो सके और अपने-अपने कर्तव्यों को भली-भांति समझ सके ।

इसके पश्चात डॉ॰ सीमा कश्यप द्वारा व्याख्यान प्रस्तुत किया गया जिसमें उन्होने कार्यस्थल में महिलाओं की भागीदारी, लैंगिक उत्पीड़न एवं इससे संबन्धित कानून/अधिनियम "PoSH Act" के बारे में कालानुक्रम एवं विस्तृत तरीके से जानकारी सांझा की । उन्होने एक्स्टेंडेड वर्कप्लेस, इंटरनल कमेटी, POSH इंक्वारी, She-portal व कार्यस्थल पर लैंगिक उत्पीड़न से संबन्धित अलग अलग मामले एवं इसके कानूनी परिणाम पर भी जानकारी सांझा की । उन्होने सभी प्रतिभागियों के प्रश्नों के उत्तर भी संतोषप्रद तरीके से दिये ।

कार्यक्रम के अतं में संस्थान की निदेशक महोदया डॉ॰ मनीषा थपलियाल जी ने इस महत्वपूर्ण विषय पर अपने विचार रखे एवं डॉ॰ सीमा कश्यप जी का व्याख्यान देने व संस्थान के समस्त स्टाफ को जागरूक करने के लिए धन्यवाद दिया उन्होने समस्त स्टाफ को ज़िम्मेदारी से कार्य करने व महिलाओ को कार्य करने के लिए सुरक्षित माहौल बनाने पर बल दिया ।

कार्यक्रम की झलकियाँ

****